#### Gurvashtakam



# Document Information



Text title : gurvaShTakam 1
File name : gurvaShTakam.itx

Category : deities\_misc, gurudev, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : Brihat Stotra Ratnakar Shivadutta Shastri

Latest update: February 19, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

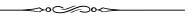
This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

### Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 7, 2022

sanskritdocuments.org



#### Gurvashtakam





वन्देऽहं सचिदानन्दं भेदातीतं जगद्गरुम् । नित्यं पूर्णं निराकारं निर्गुणं सर्वसंस्थितम् ॥ १॥ परात्परतरं ध्येयं नित्यमानन्द-कारणम् । हृद्याकारा-मध्यस्थं शुद्ध-स्फटिक-सन्निभम् ॥ २॥ अखण्ड-मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराऽचरम । तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ३॥ गुरुर्बह्या गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः । गुरुरेव परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ४॥ अज्ञान-तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन-शलाकया । चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ५॥ चैतन्यं शाश्वतं शान्तं व्योमातीतं निरञ्जनम् । विन्द्र-नाद-कलातीतं तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ६॥ अनेक-जन्म -संप्राप्त -कर्मबन्ध -विदाहिने । आज्ञज्ञान-प्रदानेन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ७॥ शिष्याणां मोक्षदानाय लीलया देहधारिणे । सदेहेऽपि विदेहाय तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ८॥ गुर्वष्टकमिदं स्तोत्रं सायं-प्रातस्तु यः पठेत् । स विमुक्तो भवेल्लोकात् सद्भरो कृपया ध्रुवम् ॥ ९॥ इति गुर्वष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

## गुर्वष्टकम्

Gurvashtakam

pdf was typeset on January 7, 2022

**→**0**○**0**○**0**○** 

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

